ikB&4

रंग-बिरंगे पंख

एक दिन की बात है। गौतम नदी के किनारे अपने दोस्तों के साथ टहल रहा था। उसने वहाँ नीलकंठ को पेड़ पर बैठे हुए देखा, जो अपनी चोंच से अपने पंखों को सहला रही थी। पंखों को सहलाने में कुछ पंख उसके शरीर से झड़कर नीचे गिर गये। गौतम ने उसे उठा लिया। इधर–उधर बहुत सारे अन्य पक्षियों के पंख भी गिरे हुए थे। गौतम और उसके दोस्तों ने पंखों को चुन लिया।

1- crkb, fd ogk fdu&fdu if{k;ka d i[k gk ldr g\

____

____

2- bu i[kk dk igpkfu, vkj bu if{k;ka d ckj e tk tkur g] fyf[k,A

____

____

____

____

गौतम और उसके दोस्त सुन्दर रंग–बिरंगे पंख पाकर बड़े खुश हुए।

अहमद ने कहा– 'इन पंखों को अपनी कक्षा में सजायेंगे।'

मोहन प्रसन्न होते हुए बोला– 'बड़ा मजा आएगा।'

साथियों के साथ चुपचाप बैठा श्याम भी कुछ सोच रहा था। चिड़िया आखिर खाती क्या होगी? क्या वह अपना घर आसमान में बनाती है? यदि नहीं तो फिर कहाँ?

श्याम ने दोस्तों से इन बातों की जानकारी लेनी चाही । सभी ने इन्हें पता लगाने का निश्चय किया।

3- i rk dhft , fd dkus& ls i{kh D;k&D;k [kkrs gS vkSj dgk jgrs gS

Ø-l-	i{kh dk uke	D;k [kkrs gS\	dgk jgrs gS\
1.	गौरैया	चावल, गेहूँ, कीड़े	पेड़ पर
2.			
3.			
4.			
5.			
6			
7.			
8.			
9.			
10.			

राधिका एक पक्षी के घोंसले को बड़े ही ध्यान से देख रही थी। वह बोली– ''देखो, देखो, यह घोंसला कितना सुन्दर है।''

4- crkb, fd i{kh viuk ?kkSlyk fdu&fdu phtksa ls cukrs gSa\

राकेश बोला– ''मेरे घर में एक गौरैया ने छप्पर में घोंसला बना लिया है। उसके दो छोटे–छोटे बच्चे भी उसमें हैं। गौरैया रोज़ अपने बच्चे को चोंच से दाना खिलाती है।''

इतना सुनकर उषा कहाँ चुप रहनेवाली थी। वह बोली– ''दादाजी ने कल ही तो छत पर मिट्टी के बर्तन में पानी रखा था। उन्होंने चावल का दाना भी छत पर बिखेरा था। थोड़ी देर बाद छत पर बहुत सारी गौरैया और कबूतर आ गए। माँ ने छत पर किसी को भी जाने नहीं दिया। चिड़िया आराम से दाना चुगती रही।''

बात करते–करते शाम होने लगी थी। चिड़ियाँ अपने घोंसले में लौटने लगी। गौतम भी अपने दोस्तों के साथ रंग–बिरंगे पंख लेकर घर लौट आया।

5- D;k vkiu dHkh if{k;k dk nkuk&ikuh fn;k g

6- vki viu vklikl d if{k;k dk nf[k, vkj irk dhft, fd o viu cPpk dk nkuk&ikuh d l nr g\ vki f'k{kd vkj viu cMk dh enn y l dr gA

_____

_____

_____

7- uhp fy[k if{k;k tl vkokt fudkfy, vkj bl rkfydk dk ijk dhft ,A

rkfydk

if{k;k d uke	ckfy;k
exk	**ddM&dd**
गौरैया	
कोयल	
कौआ	
तोता	
मोर	
बत्तख	
कबूतर	

8- d|N i{kh vkid byk d e nj l vkdj d|N le; d fy, Bgjr gA viu f'k{kd l iNdj mud uke fyf[k,A

9- viu nknk th ;k xk|o d fdlh c|tx l iNdj irk yxkb, fd dku&dku l i{kh mud le; e cg|r vf/kd Fk ysfdu vk tdy de ;k ugh fn[kykbl iMr g\

____________ ____________ ____________

____________ ____________ ____________

10- bl igpkfu, rFkk bld lc/k e rhu&pkj okD; fyf[k,A

11- bu fp=k e jx Hkfj, vkj bud ckj e vki D;k tkur g] fyf[k,A

(i)

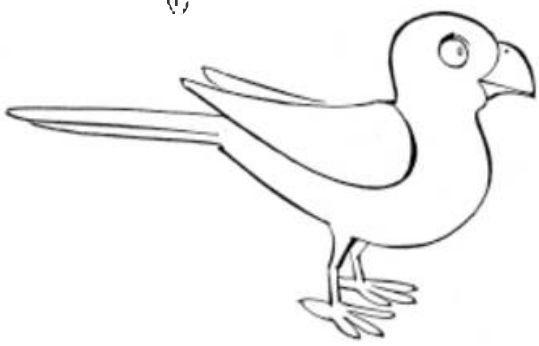

____

____

____

(ii)

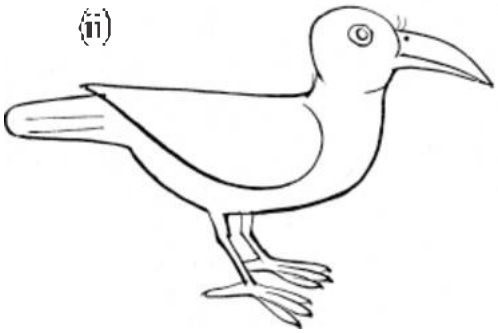

(iii)

(iv)

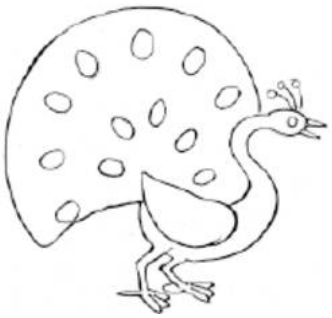

12- vki pkp d vk/kkj ij i{kh dk igpkfu, vkj mud uke fyf[k,A

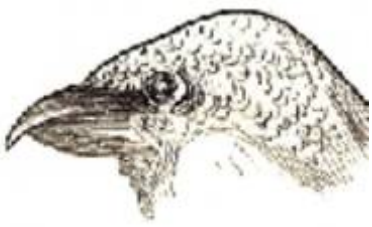

_______________ _______________

_______________ _______________

_______________ _______________

13- vki fofHkUu rjg d if{k;k d i[k bdV~Bk dhft, vkj viu f'k{kd dh enn l pkV ij fpidk dj d{kk e yVdkb,A i[kk d uhp if{k;k dk uke Hkh fyf[k,A

CCC